[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 1588 **D** **Your Roll No.....**

Unique Paper Code : 213503

Name of the Course : **B.A. (Honours) Sanskrit**

Name of the Paper : Epigraphy, Palaeography and Chronology
(अभिलेख-शास्त्र, पुरालिपि-शास्त्र एवं काल-निर्धारण पद्धति)

Semester : V

Dutation : 3 Hours
समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 75
पूर्णांक : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. **All** questions are compulsory.
3. Unless otherwise required in a question, answers should be written *either* in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. अन्यथा आवश्यक न होने पर प्रश्नपत्र के उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेज़ी किसी एक भाषा में दीजिए परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

भाग 'क'
(Part – A)

1. प्राचीन अभिलेख इतिहास-निर्माण में किस प्रकार महत्त्वपूर्ण हैं ? (8)

   How are ancient inscriptions important in preparing history ?

अथवा / OR

P.T.O.

लेखन-सामग्री के आधार पर अभिलेखों के प्रकार प्रतिपादित कीजिए।

Describe the type of inscriptions on the basis of writing-material.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (5+5)

Write short-notes on any **two** of the following :

दान-पत्र, प्रशस्ति, धर्मलेख, व्यावसायिक लेख

भाग 'ख'
(Part – B)

3. ब्राह्मी लिपि की उत्पत्ति से सम्बन्धित सिद्धान्तों पर प्रकाश डालिए। (8)

Elaborate different theories regarding the origin of the Brahmi Script.

अथवा / OR

भारत में लेखन-कला की प्राचीनता सिद्ध करने वाले भारतीय मतों को स्पष्ट कीजिए।

Discuss the Indian theories that prove the antiquity of writing in India.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (4+4)

Write short-notes on any **two** of the following :

डी०सी० सरकार, फ्लीट, प्रिंसेप, ओझा

भाग 'ग'
(Part – C)

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए :

Translate any **two** of the following :

(i) इयं धमलिपी देवानंप्रियेन प्रियदसिना राजा लेखापिता इध न किंचि जीवं आरभित्पा प्रजूहितव्यं न च समाजो कतव्यो पुरा महानसम्हि अनुदिवसं बहूनि प्राणसतसहस्त्रानि आरभिसु सूपाथाय स अज यदा इयं धमलिपी लिखिता ती व प्राणा आरभरे सूपाथाय

(ii) खिन्नस्येव विसृज्य गां नरपतेर्गर्गाश्रितस्येतरां
मूर्त्या कर्म्मजितावनिं गतवतः कीर्त्या स्थितस्य क्षितौ ।
शान्तस्येव महावने हुतभुजो यस्य प्रतापो महान्ना-
द्याप्युत्सृजति प्रणाषितरिपोर्यत्नस्य शेषः क्षितिम् ।।

(iii) क्रियमाणानुरुप-प्रतिकारमपि गिरिशिखरतरुतटाट्टालकापतल्पद्वारशरणोच्छ्रयविध्वंसिना युगनिधनसदृषपरमघोरवेगेन वायुना प्रमथित सलिलविक्षिप्त जर्जरीकृतावयवं..... क्षिप्ताष्मवृक्षगुल्मलताप्रतानमानदीतलादित्युद्घाटितमासीत् ।

(iv) अंभो नाम रिपुप्रियानयनयोः प्रत्यर्थिदंतान्तरे
प्रत्यक्षाणि तृणानि वैभवमिलत्काष्ठं यषस्तावकं ।
मार्गो लोक विरुद्ध एव विजनः शून्यं मनो विद्विषां
श्रीमद्विग्रहराजदेव भवतः प्राप्ते प्रयाणोत्सवे ।।

6. चन्द्र के मेहरौली लौह-स्तम्भ अभिलेख के महत्त्व का वर्णन कीजिए । (8)

Describe the importance of the Mehrauli Iron Pillar inscription of Chandra.

अथवा / OR

रुद्रदामन् के जूनागढ़ अभिलेख का साहित्यिक एवं ऐतिहासिक महत्त्व स्पष्ट कीजिए ।

Discuss literary and historical importance of the Girnar inscription of Rudradaman.

7. समुद्रगुप्त के एरण स्तम्भ लेख **अथवा** अशोक के सारनाथ लघु-स्तम्भ लेख की विषय-वस्तु का उल्लेख कीजिए । (5)

Describe the contents **either** of the Eran Pillar inscription of Samudragupta **or** of the Sarnath Pillar edict of Ashoka.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (3+3)

Write short-notes on any **two** of the following :

वह्लीक, सुदर्शन-तडाक, समाज, विष्णुध्वज

भाग 'घ'
(Part – D)

9. भारतीय अभिलेखों में अपनायी गयी तिथ्यंकन-पद्धति का परिचय दीजिए। (8)

Introduce the dating system adopted in the Indian inscriptions.

अथवा / OR

प्राचीन भारत की काल-निर्धारण-पद्धति का विवरण दीजिए।

Describe the system of chronology prevailing in Ancient India.

10. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : (4)

Write short-note on any **one** of the following :

विक्रम संवत्, गुप्त संवत्, शक संवत्